www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 255 | जौनपुर मंगलवार, 05 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

शुरुआती रुझानों में चार जिलों में टीएमसी का खाता नहीं खुला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की मतगणना के रुझानों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। 293 सीटों पर जारी गिनती के बीच ऐसे चार जिले सामने आए हैं, जहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का खाता तक नहीं खुलता दिख रहा है। जिन चार जिलों में टीएमसी का खाता तक खुलता नहीं दिख रहे हैं, उसमें उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी जबकि दक्षिण बंगाल के झारग्राम और पश्चिम बर्धमान शामिल हैं। झारग्राम जिले की चार विधानसभा सीटों पर सुबह 10रू30 बजे तक के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। इन सीटों में नयाग्राम, गोपीबल्लवपुर, झारग्राम, और बिनपुर (एसटी) शामिल हैं। झारग्राम इलाका आदिवासी बहुल जंगलमहल क्षेत्र का हिस्सा है, जो कभी माकपा का गढ़ रहा, लेकिन 2011 के बाद यह तृणमूल कांग्रेस का मजबूत आधार बन गया था। लेफ्ट फ्रंट के अंतिम वर्षों में यह इलाका माओवादी गतिविधियों के लिए भी जाना जाता था। अलीपुरद्वार जिले की पांच सीटों पर भी भाजपा बढ़त बनाए हुए है। इनमें कुमारग्राम (एसटी), कालचिनी (एसटी), अलीपुरद्वार, फलाकाटा (एससी) और मदारीहाट (एसटी) शामिल हैं। इसी तरह जलपाईगुड़ी जिले की सात सीटों पर भी भाजपा के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। इनमें धुपगुड़ी (एससी), मयनागुड़ी (एससी), जलपाईगुड़ी (एससी), राजगंज (एससी), डाबग्राम–फुलबाड़ी, माल (एसटी) और नागराकाटा (एसटी) शामिल हैं।

देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव का नतीजा आएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम आज सोमवार को सामने आएंगे। यह राज्य हैं– पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी। सारे देश की नजर इन नतीजों पर टिकी हुई है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना सुबह आठ बजे शुरू हुई। पहले डाक मत्रपत्र (पोस्टल बैलट) की गणना होगी। इसके बाद ईवीएम के मतों की गिनती होगी। पूरी तस्वीर शाम तक साफ होने की उम्मीद है। इसके अलावा पांच राज्यों की आठ सीटों पर भी आज ही मतगणना होगी। यह वह सीट हैं जहां मौजूदा विधायकों के निधन के बाद पिछले महीने उपचुनाव कराए गए। इनमें गोवा की पोंडा, कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण, नागालैंड की कोरिडांग, त्रिपुरा की धर्मनगर, गुजरात की उमरेठ और महाराष्ट्र की राहुरी एवं बारामती सीट शामिल है। इस चुनाव में रिकॉर्ड मतदान, कड़ी सुरक्षा और लाइव वेबकास्टिंग जैसे तकनीकी नवाचारों ने चुनावी प्रक्रिया के विकसित होने का संकेत दिया है। आज शाम तक तस्वीर साफ हो जाएगी कि कौन सी पार्टी या गठबंधन सत्ता में आएगा। इन राज्यों के चुनावी नतीजों का केवल क्षेत्रीय नहीं राष्ट्रीय राजनीति में भी बड़ा प्रभाव दिखेगा।

जनता ने पश्चिम बंगाल में रच दिया इतिहास, बरसों की साधना सिद्धि में बदली - पीएम मोदी

पश्चिम बंगाल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल, असम और पुडुचेरी में बीजेपी की जीत पर दिल्ली पार्टी हेडक्वार्टर में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, अभूतपूर्व है। जब वर्षों की तपस्या सफलता में तब्दील होती है, तो चेहरे पर जो खुशी झलकती है, वही खुशी आज मैं देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के चेहरों पर देख रहा हूँ। पीएम मोदी ने कहा कि एक कार्यकर्ता के रूप में, मैं हर भाजपा कार्यकर्ता की खुशी में शामिल हूँ। आज का दिन कई मायनों में खास है, असाधारण रूप से खास। यह देश के उज्ज्वल भविष्य की घोषणा का दिन है। यह भरोसे का दिन है। भारत के महान लोकतंत्र पर भरोसा, प्रदर्शन की राजनीति पर भरोसा, स्थिरता के संकल्प पर भरोसा, एक भारत – उत्कृष्ट भारत की भावना पर भरोसा। यह दिन अनेक मायनों में विशेष है। यह देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। यह विश्वास का दिन है। भारत के महान लोकतंत्र में विश्वास। प्रदर्शन– आधारित राजनीति में विश्वास। स्थिरता के संकल्प में विश्वास। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना में विश्वास। मैं बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल की जनता के समक्ष नतमस्तक हूँ। पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल के लोगों को सादर प्रणाम करता हूँय मैं उन सभी को नमन करता हूँ। आज मैं भाजपा के असंख्य कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ। भाजपा के प्रत्येक छोटे–बड़े कार्यकर्ता ने एक बार फिर चमत्कार कर दिखाया है, कमल को खिला दिया है। आपने नया इतिहास रच दिया है। आज हुए विभिन्न उपचुनावों के परिणाम भी बेहद उत्साहजनक रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड और त्रिपुरा में हुए उपचुनावों में हमारे उम्मीदवारों को जनता का भरपूर समर्थन मिला और उन्होंने इन राज्यों में भी जीत हासिल की। पीएम मोदी ने कहा कि आज उपचुनावों के नतीजे उत्साहजनक रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, नागालैंड और त्रिपुरा में हुए उपचुनावों में जनता ने हमारे उम्मीदवारों को आशीर्वाद दिया और हमने इन राज्यों में भी जीत हासिल की। एनडीए नेता और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार जी ने भी महत्वपूर्ण जीत

हासिल की है। इन सभी राज्यों की जनता के समर्थन के लिए मैं हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। जीत और हार लोकतंत्र और चुनावी राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा हैं। लेकिन इन 5 राज्यों की जनता ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि हमारा भारत लोकतंत्र की जननी क्यों है। लोकतंत्र हमारे लिए सिर्फ एक व्यवस्था नहीं हैय यह एक परंपरा है जो हमारी रगों में बहती है। यह हमारी रगों में बहने वाली परंपराओं की नदी है। आज न केवल भारत का लोकतंत्र विजयी हुआ है, बल्कि भारत का संविधान भी विजयी हुआ है। हमारे संवैधानिक संस्थान विजयी हुए हैं, हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं विजयी हुई हैं। जीत और हार लोकतंत्र और राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा हैं। हालांकि, पांच राज्यों की जनता ने दुनिया को दिखा दिया है कि हमारा देश लोकतंत्र की जननी क्यों है। लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, यह हमारी संस्कृति है। आज न केवल लोकतंत्र की जीत हुई है, बल्कि हमारे संविधान की भी जीत हुई है। हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों की जीत हुई है। पश्चिम बंगाल में लगभग 93ः मतदान अपने आप में ऐतिहासिक है। असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में भी मतदान के नए रिकॉर्ड बने हैं। इसमें महिलाओं की भागीदारी असाधारण रूप से अधिक रही है। यह भारतीय लोकतंत्र की सबसे उज्ज्वल तस्वीर के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाली धोती–कुर्ता पहनकर बीजेपी हेडक्वार्टर में पहुंचे, जहां बंगाल, असम और पुडुचेरी चुनावों में पार्टी की जीत पर जश्न मनाया जा रहा है। उनके पहुंचने पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने 4 मई, ममता गई के नारे के साथ पीएम का स्वागत किया।

जमैका पहुंचे विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने, भारत की ओर से दिया इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड भेंट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर 2 से लेकर 10 मई तक तीन देशों के दौरे पर हैं। जमैका के दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस से मुलाकात की और भारत की ओर से इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड भेंट की। इसके साथ ही उन्होंने जमैका में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत भी की। पीएम एंड्रयू से मुलाकात की तस्वीरें साझा विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "'भारत–जमैका की कहानी रनों से (क्रिकेट), सम्मान से, दोस्ती से लिखी गई है।' भारत की तरफ से उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड को सबीना पार्क में प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस आधिकारिक तौर पर समर्पित किया। 'यह स्कोरबोर्ड आने वाली कई शानदार पारियों को गिनता रहे। उनमें से एक भारत–जमैका दोस्ती की भी है।'" वहीं भारतीय समुदाय से बातचीत करने के बाद उन्होंने लिखा, जमैका में भारतीय समुदाय से बातचीत करके खुशी हुई। जमैका के प्रधानमंत्री को उनके कई योगदानों के बारे में इतनी गर्मजोशी से बात करते हुए सुनकर अच्छा लगा। उनके साथ भारत–जमैका संबंधों में हाल के विकास की जानकारी साझा की। देश में हो रहे बदलाव पर चर्चा की, खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर, मानवीय विकास और तकनीक से चलने वाले गवर्नेंस और उद्यमी में। विदेश मंत्री जयशंकर 2–10 मई 2026 तक जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो के आधिकारिक दौरे पर हैं। गिरमिटिया समुदायों की मौजूदगी की वजह से इन देशों का भारत के साथ एक खास कनेक्शन है। इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री तीनों देशों के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों के साथ–साथ आपसी फायदे के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इससे पहले विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने कैरेबियाई दौरे के दौरान जमैका के ओल्ड हार्बर का दौरा किया, जो भारतीय प्रवासियों के इतिहास से जुड़ा एक महत्वपूर्ण स्थल है। इस दौरान उन्होंने भारतीय समुदाय से मुलाकात की और उनकी सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की। विदेश मंत्री ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर जानकारी साझा करते हुए लिखा।

ऑपरेशन सिंदूर का 1 वर्ष पूरा, इस ऑपरेशन से सेनाओं का शौर्य याद आता है : राजनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर का 1 वर्ष पूरा हो चुका है। जब भी ऑपरेशन सिंदूर की बात आती है, तो सेनाओं का शौर्य याद आता है। आतंकियों और उनके सरपरस्तों को जो मुंहतोड़ जवाब हमारे सैनिकों ने दिया, उससे पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। ये तो फिर भी अच्छा हुआ कि हमने धैर्य दिखाते हुए, केवल आतंकवादियों को ही नेस्तनाबूत किया, नहीं तो हमारी सेनाएं क्या कुछ करने में सक्षम है, इसका अंदाजा तो पूरी दुनिया को है। सोमवार को यह बात रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में टेक्नोलॉजी वॉरफेयर का एक उदाहरण था। इस ऑपरेशन

में आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसी एडवांस मिसाइल सिस्टम के साथ–साथ, अनेक आधुनिक उपकरणों का भी उपयोग किया गया। इसने यह साबित किया कि हमारी सेनाएं बदलाव को समझ भी रही हैं और उसे आत्मविश्वास के साथ उपयोग भी कर रही हैं। रक्षामंत्री सोमवार को भारतीय सेना के 'नॉर्थ टेक सिम्पोजियम' में बोल रहे थे। इस सिम्पोजियम को आयोजित करने का उद्देश्य रक्षा त्रिवेणी संगम है। यानी जहां तकनीक, उद्योग और सैनिक एक साथ एक मंच पर मिल रहे हैं। यहां बोलते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि अगर हम युद्ध प्रणाली को देखें, तो पहले के समय में, कम से कम हमें इस बात का मोटा–मोटा अंदाजा होता था कि सामने वाला क्या कर सकता है। उसकी सैन्य क्षमता, उसके प्लेटफार्म , उसकी डोक्ट्रीन, इन सबका अंदाजा होता था। लेकिन अब, लगातार एक ऐसा चौंकाने वाला तत्व सामने आ रहा है, जिसके बारे में पहले कभी सोचा ही नहीं जा सकता था। जिन चीजों को हम सामान्य नागरिक जीवन का हिस्सा मानते थे, वे अब घातक हथियारों में बदल रही हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि हमें सिर्फ एक्टिव ही नहीं रहना है, बल्कि प्रोएक्टिव भी रहना है। हर प्रकार की स्थिति के लिए तैयार भी रहना है उन्होंने बताया कि हमारी सेनाओं ने और हमारी उद्योगों ने बदलती हुई ।

पीएम मोदी को आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने दी बधाई

आंध्र प्रदेश , (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी की बढ़त और एनडीए की संभावित जीत पर खुशी जताई है। उन्होंने इसे जनता के विश्वास और विकास की राजनीति की जीत बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की और कहा कि यह जनादेश 'विकसित भारत' के विजन पर लोगों के भरोसे को दिखाता है। चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया, "आज एनडीए की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और 'विकसित भारत' के उनके विजन में लोगों के निरंतर और बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। यह एनडीए को लोगों की आकांक्षाओं के संगम के रूप में और मजबूत करता है, जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना से प्रेरित है। इस परिणाम के साथ 'विकसित भारत' की ओर हमारी यात्रा को और अधिक बल मिला है।" उन्होंने यह भी कहा,

"विकास के प्रति एनडीए की अटूट प्रतिबद्धता पर लोगों का विश्वास और समर्थन स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यह सभी राजनीतिक दलों के लिए एक संदेश भी है कि 'युवा भारत' विश्वसनीयता, विकास और नागरिकों के साथ सच्चे जुड़ाव को महत्व देता है।" चंद्रबाबू नायडू ने कहा, "मैं इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, एनडीए के सभी विजयी उम्मीदवारों, समर्पित कार्यकर्ताओं और देश की जनता को हार्दिक बधाई देता हूं।" इसी बीच, पूर्व सांसद विजया साई रेड्डी ने कहा, "पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार देश के हित में होगी। बंगाल बीजेपी के घोषणापत्र का पहला वादा घुसपैठ के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने और भारत–बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन आवंटित करने के बारे में है।" उन्होंने कहा, "बांग्लादेशी घुसपैठियोंध्अवैध प्रवासियों के खिलाफ "पहचानो–हटाओ–वापस भेजो" की नीति की जरूरत है, जो हमारी अर्थव्यवस्था के लिए दीमक की तरह हैं। 2019 में, एक बांग्लादेशी फिल्म स्टार ने कोलकाता में एक राजनीतिक पार्टी के लिए प्रचार किया था, जिसे बाद में वापस भेज दिया गया था, लेकिन ये निजी स्वार्थ बांग्लादेश के साथ हमारी सीमाओं को कमजोर बना रहे हैं, जिसे हम बर्दाश्त नहीं कर सकते।

सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा ऐलान, आरोपी को मिलेगी फांसी की सजा

मुबई, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नासरापुर बलात्कार–हत्या मामले में पीड़िता के पिता को विरोध प्रदर्शन वापस लेने और अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया, साथ ही त्रासदी का फायदा उठाने के प्रयासों के खिलाफ चेतावनी भी दी। पुणे जिले के भोर तालुका के नासरापुर में 1 मई को एक साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार और हत्या करने के आरोप में 65 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया था। विरोध प्रदर्शनों और सड़क अवरोधों के बीच, मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले में आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग पूरी करेगी। फडणवीस ने कहा कि कुछ लोग स्थिति का फायदा उठाकर इसे दूसरी दिशा में मोड़ने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, मैं लड़की के पिता का आभारी हूं। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा पीड़ित के घर जाकर संवेदना व्यक्त करने

के बीच, मृतक नाबालिग लड़की के पिता ने राजनीतिक नेताओं से फिलहाल उनके घर न आने की अपील की है, क्योंकि उनका कहना है कि परिवार का पूरा ध्यान न्याय सुनिश्चित करने पर केंद्रित होना चाहिए। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे बेहद दुखद और मानवता पर कलंक बताया है। उन्होंने कहा कि इस क्रूर अपराध ने समाज को झकझोर दिया है।

विकास को मिला जनादेश, तुष्टीकरण की हुई हार : धामी

उत्तराखंड, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि असम की जनता ने विकास और राष्ट्रीय हित के लिए स्पष्ट जनादेश दिया है, जिसके चलते भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में सत्ता बरकरार रखने के लिए तैयार है। असम विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना फिलहाल जारी है। चुनाव आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने छह सीटें जीती हैं और 75 सीटों पर आगे चल

रही है, जबकि कांग्रेस 20 सीटों पर आगे है। असम में कुल 126 विधानसभा सीटें हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर मुख्यमंत्री धामी ने लिखा कि विकास और विश्वास ने इतिहास रच दिया है, असम में लगातार तीसरी बार कमल खिला है। उन्होंने असम विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत पर असम की जनता और सभी समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई और असीम शुभकामनाएं भी दीं। धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के प्रभावी सुशासन और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी की संगठनात्मक प्रतिबद्धता को दोहरी इंजन सरकार में जनता के विश्वास को मजबूत करने का श्रेय दिया। उन्होंने आगे कहा कि असम की जनता ने तुष्टीकरण और अस्थिरता को एक बार फिर नकारते हुए विकास, सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय हित के लिए स्पष्ट जनादेश दिया है। चुनाव में, असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार हितेंद्र नाथ गोस्वामी से हार गए, जिन्हें 69,439 वोट मिले और उन्होंने 23,182 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। घ्गोगोई को 46,257 वोट मिले।

पश्चिम बंगाल में चुनावी रुझानों के बीच श्रीलंका के विपक्ष के नेता ने पीएम मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के शुरुआती रुझानों में भारतीय जनता पार्टी बढ़त हासिल करती नजर आ रही है। वहीं, चार जिलों में टीएमसी का खाता भी नहीं खुला है। इस बीच श्रीलंका में विपक्ष के नेता सजित प्रेमदासा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। श्रीलंकाई नेता सजित प्रेमदासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को पश्चिम बंगाल में चुनावी जीत पर बधाई। यह जनादेश लोगों की इच्छा और लोकतांत्रिक भागीदारी की हमेशा रहने वाली ताकत को दिखाता है। भारत की लगातार तरक्की और स्थिरता की कामना करता हूं। पश्चिम बंगाल में 293 सीटों पर जारी गिनती के बीच ऐसे चार जिले सामने आए हैं,

जहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का खाता तक नहीं खुलता दिख रहा है। जिन चार जिलों में टीएमसी का खाता तक खुलता नहीं दिख रहे हैं, उसमें उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी जबकि दक्षिण बंगाल के झारग्राम और पश्चिम बर्धमान शामिल हैं। झारग्राम जिले की चार विधानसभा सीटों पर सुबह 10:30 बजे तक के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार आगे चल रहे थे। इन सीटों में नयाग्राम, गोपीबल्लवपुर, झारग्राम, और बिनपुर (एसटी) शामिल हैं। झारग्राम इलाका आदिवासी बहुल जंगलमहल क्षेत्र का हिस्सा है, जो कभी माकपा का गढ़ रहा, लेकिन 2011 के बाद यह तृणमूल कांग्रेस का मजबूत आधार बन गया था। लेफ्ट फ्रंट के अंतिम वर्षों में यह इलाका माओवादी गतिविधियों के लिए भी जाना जाता था। अलीपुरद्वार जिले की पांच सीटों पर भी भाजपा बढ़त बनाए हुए है। इनमें कुमारग्राम (एसटी), कालचिनी (एसटी), अलीपुरद्वार, फलाकाटा (एससी) और मदारीहाट (एसटी) शामिल हैं। इसी तरह जलपाईगुड़ी जिले की सात सीटों पर भी भाजपा के उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। इनमें धुपगुड़ी (एससी), मयनागुड़ी (एससी), जलपाईगुड़ी (एससी), राजगंज (एससी), डाबग्राम–फुलबाड़ी, माल (एसटी) और नागराकाटा (एसटी) शामिल हैं। चुनाव आयोग के आधिक हिस्सा है, जो कभी माकपा का गढ़ रहा, लेकिन 2011 के बाद यह तृणमूल कांग्रेस का मजबूत आधार बन गया था।

संपादकीय

बरगी बांध हादसे पर कुछ सवाल

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध में गुरुवार शाम हुए क्रूज नाव हादसे में एक सुखद सैर भयानक स्वप्न में बदल गई। इस दर्दनाक घटना में अब तक कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 छोटे बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के बाद की एक बेहद मार्मिक तस्वीर सामने आई है, जिसमें एक महिला से उसका छोटा बच्चा चिपका हुआ है। लोग इस तस्वीर को देखकर ममता की व्याख्या कर रहे हैं कि मौत भी ममता पर भारी नहीं पड़ पाई। तस्वीर देखकर समझा जा सकता है कि मां ने अपने बच्चे को और खुद को बचाने के लिए आखिरी सांस तक कितना संघर्ष किया होगा। ऐसी कई दर्दनाक कहानियां इस हादसे के बाद कहने–सुनाने के लिए बच गई हैं। किसी परिवार में एक साथ तीन अर्थियां उठीं, तो किसी बेटी ने आंखों के सामने अपनी मां को बहते देखा। कोई परिवार दूसरे शहर से घूमने आया था, और अब लौटा ही नहीं। हादसे से ठीक पहले के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि तेज बहती हवाओं और ऊंची उठती लहरों का आनंद लोग ले रहे हैं, सेल्फी खींच रहे हैं, संगीत पर थिरक रहे हैं। फिर पल भर में सारा मंजर बदल गया। दार्शनिक अंदाज में भी इस घटना की व्याख्या हो रही है कि देखो जीवन क्षणभंगुर है, एक क्षण में हँसते–खेलते लोग मौत के मुंह में समा गए। लेकिन यहां सवाल उठना चाहिए कि क्या भूकंप या सुनामी जैसी कोई आपदा आई थी, जिस पर इंसान का कोई बस नहीं है, या इतने सारे लोग एक साथ अकाल मौत नहीं मरते अगर नियमों का कड़ाई से पालन किया जाता।ध्यान रहे कि गुरुवार शाम करीब 4रू30 बजे ये हादसा हुआ। जबकि मौसम विभाग ने एक दिन पहले ही चेतावनी दी थी कि इलाके में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं चल सकती हैं। तो इसके बावजूद क्रूज संचालन की अनुमति क्यों दी गई। बताया जा रहा है कि क्रूज करीब 90 लोगों की क्षमता वाला था, लेकिन उस समय इसमें लगभग 40 यात्री सवार थे। लेकिन फिर भी यह दुर्घटना हुई, क्योंकि कई यात्री तेज हवाओं के बीच ऊपर वाले डेक पर चले गए, क्योंकि वहां खुली जगह थी। लेकिन इससे संतुलन बिगड़ गया। वजन ऊपर की तरफ बढ़ने से नाव एक तरफ झुकने लगी और लगातार हिलने लगी। घबराए हुए लोग एक तरफ से दूसरी तरफ भागने लगे, जिससे स्थिति और खराब हो गई। इसी कारण पानी नाव के निचले हिस्से में भरने लगा। जो लोग नीचे डेक पर थे या नीचे लौटे थे, वे वहीं फंस गए। यानी यह दुर्घटना टाली जा सकती थी, अगर क्रूज संचालकों ने पहले से सावधानी बरती होती। अगर एक साथ बहुत सारे लोगों को ऊपर नहीं जाने दिया जाता या जब निचले हिस्से में पानी भरने लगा, तब लोगों को नीचे लौटने से रोक कर फौरन बचाव के इंतजाम किए जाते तो शायद पर्यटकों को डूबने से बचाया जा सकता था।एक वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि जब क्रूज पर पानी भरने लगा तो लाइफ जैकेट थैलों में से निकाले जा रहे थे।

विपक्ष के आगे लाचार सत्तारुढ़ भाजपा

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की मुहिम अब भाजपा के लिए चुनावी हथियार बन चुकी है। पाठक जानते हैं कि हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया था। जबकि सारे जरूरी काम कुछ दिन पहले खत्म बजट सत्र में भी किए जा सकते थे। लेकिन विशेष सत्र बुलाने पर विशेष कवरेज भी सरकार को मिलता और यही भाजपा का मकसद भी था। महिलाओं के आरक्षण से जुड़ा नारी शक्ति वंदन अधिनियम तो 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका था।फिर भी इसे तीन साल तक अमल में लाने लायक नहीं बनाया गया। मोदी सरकार ने इसे आगामी जनगणना और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन तक ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जबकि महिला आरक्षण को लागू करके 2024 के लोकसभा और तब से संपन्न कई विधानसभा चुनाव कराए जा सकते थे। लेकिन इसमें भाजपा को चुनावी फायदा शायद नहीं होता। इसलिए 131वें संविधान संशोधन विधेयक की आड़ में पहले से ही पारित महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा संसद के पटल पर रखने की चाल भाजपा ने चली। मगर विपक्ष की एकजुटता और दमदार विरोध से यह विधेयक संसद में गिर गया। कायदे से इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए था क्योंकि इससे उनकी सरकार के अल्पमत में होने का प्रमाण मिल चुका था। लेकिन इसकी जगह अब विपक्ष को महिला विरोधी बताने की मुहिम देश भर में भाजपा ने छेड़ दी है।मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में विधानसभाओं के विशेष सत्र इसी मुद्दे पर बुलाए गए और मजेदार बात ये है कि कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरने के लिए जो शब्दावली इस्तेमाल में लायी जा रही है, वो एक ही कलम से निकली हुई लग रही है। जैसे भाजपा की ट्रोल आर्मी सोशल मीडिया पर किसी को चने के झाड़ पर चढ़ाने या फिर उसे बदनाम करने के लिए एक जैसे पोस्ट थोक के भाव में करवाती है, कुछ वैसा ही माहौल अब विधानसभाओं का बनाया जा रहा है। जैसे उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने समाजवादी पार्टी के लिए कहा कि श्आपके आचरण पर तो गिरगिट भी शरमा जाए। आज अगर आप 33 प्रतिशत आरक्षण की बात कर रहे हैं, तो संसद में इसका विरोध क्यों किया था?श योगी ने कहा कि श्आप आधी आबादी की गरिमा, सम्मान और उत्थान के लिए उठाए गए हर सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं। लोकसभा में 16 और 17 अप्रैल को आपका आचरण सबने देखा।अब सोचने वाली बात ये है कि विपक्ष के विरोध के लिए गिरगिट ही आदित्यनाथ योगी और डॉ.मोहन यादव को क्यों याद आई। क्या इन दोनों में से कोई भी दूसरा उदाहरण पेश नहीं कर सकता था। वहीं दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नारी शक्ति अधिनियम के संसद में पास ना होने पर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद कांग्रेस और सपा को नारी विरोधी, विश्वासघाती कहा गया। साथ ही विरोध का खास जोर राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर रहा। विधानसभाओं के विशेष सत्र के अलावा 29 तारीख को काशी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्काशी के सांसद के तौर पर, देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुझे देशहित के एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आपका आशीर्वाद चाहिए। और यह बड़ा लक्ष्य है, लोकसभा–विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करना। अभी कुछ दिन पहले सपा और कांग्रेस जैसे दलों की वजह से हमारा यह प्रयास संसद में सफल नहीं हो पाया, लेकिन मैं आप सभी बहनों को फिर से भरोसा देता हूं कि आपके आरक्षण का हक लागू हो, इसमें कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ूंगा।श 2014 से श्री मोदी के पास देश की सत्ता है।

निर्वाचन आयोग के बुनियादी उद्देश्य और जन अपेक्षाएं

नीतीश

सिंह चुनाव–दर–चुनाव दुनिया की निगाहें विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र–भारत पर हैं। इसके पीछे की ताकत यहां की जनता ही है, जो केंद्र और राज्यों में सरकारों के बनने का मार्ग प्रशस्त करती है। इनके साथ देश में

लोकतंत्र की बहाली के लिए एक शनिर्वाचन आयोगश पूरे समय काम करता है। भारत समाचार पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुड्डुचेरी के विधानसभा चुनावों के अंतर्गत पिछले माह संपन्न हुए मतदान के बाद उसके परिणाम सोमवार को घोषित हो रहे हैं। इस दौरान निर्वाचन आयोग विभिन्न कारणों से चर्चा के केंद्र में बना रहा। एक खालिस संवैधानिक निकाय शनिर्वाचन आयोगश निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के साथ ही मतदाताओं से बिना किसी डर, भय और पक्षपात के उनके मताधिकार का प्रयोग कराता है। ऐसे में कई चुनावी राज्यों में बढ़े मत प्रतिशत सुरक्षित और हरेक समुदाय के मतदाताओं के जनतंत्र के प्रति विश्वास को जाहिर करता है। फिर भी कई सवाल इसके निर्माण काल से लेकर अब तक उठते रहे हैं।चुनाव–दर–चुनाव दुनिया की निगाहें विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र– भारत पर हैं। इसके पीछे की ताकत यहां की जनता ही है, जो केंद्र और राज्यों में सरकारों के बनने का मार्ग प्रशस्त करती है। इनके साथ देश में लोकतंत्र की बहाली के लिए एक शनिर्वाचन आयोगश पूरे समय काम करता है। आजादी के बाद से ही इस संवैधानिक संस्था को लेकर मंथन शुरू हो गया था। इसकी सबसे कड़ी कसौटी यह रही कि कार्यपालिका के किसी हस्तक्षेप के बिना यह संस्था काम करे और करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि संस्था साबित हो।देश में जब पहली बार साल 1949–1950 में निर्वाचन संबंधी नियमावली का निर्माण हो रहा था, तब निर्वाचन से संबंधित कई सवाल उठे थे। यद्यपि निर्वाचन आयोग स्वयं उस दौरान निर्माण प्रक्रिया से गुजर रहा था। मसौदा समिति और केंद्रीय सरकार के सामने एक मसला आया था। उसमें प्रमुख सवाल था कि उस दौरान कुछ प्रांतों में कार्यपालिका यानी सरकार ने कुछ लोगों को जिनका मूल वंश, भाषा और संस्कृति वहां के बहुसंख्यक लोगों से भिन्न है, उनको निर्वाचन नियमावली में स्थान नहीं दे रहे हैं। इस पर डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था– श्मैं आशा करता हूं कि यह सभा समझती है कि मताधिकार ही जनतंत्र का आधार स्तंभ है।इसी क्रम में उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वयस्क मताधिकार के रूप में सर्वोच्च नामावली (मतदाता सूची) में स्थान दिया जा सकता है। यदि स्थानीय सरकार विद्वेष के कारण या किसी पदाधिकारी की सनक के कारण इस अधिकार से इन्हें वंचित करती है, तो लोकतंत्र के मूल पर ही आघात होगा।श इस तरह के सवाल आज भी उठते हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान सभा ने चुनावी प्रक्रिया में कार्यपालिका के हस्तक्षेप को लेकर पुरजोर परहेज किया। सभा के सदस्यों ने बार–बार जोर देकर अपने वक्तव्यों में कहा कि चुनाव आयोग कार्यपालिका से मुक्त एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त स्थायी होगा और उसकी नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा। साथ ही कार्यपालिका स्वेच्छा से मुख्य चुनाव आयुक्त के पद व प्रतिष्ठा को विघटित न कर सके, इसका भी पूरा ख्याल रखा गया। उन्हें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के बराबर दर्जा दिया गया। उस समय एक ही मुख्य चुनाव आयुक्त रखा गया था, लेकिन संशोधनों के बाद वर्तमान में तीन सदस्यीय चुनाव आयोग कार्य करता है जिनमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त होता है।वहीं संविधान की बहसों पर गौर करें तो पहले–पहल विचार आया था कि केंद्रीय विधान मंडल यानी संसद के लोकसभा और राज्यसभा सरीखी दोनों सभाओं के निर्वाचन के लिए एक आयोग हो और राज्य के लिए पृथक। इसे राज्यपाल या राज्य का प्रमुख नियुक्त करे। इस पर काफी बहस के बाद इस विचार को खारिज कर दिया गया। आगे चलकर संविधान सभा ने निर्वाचन के लिए एक ही आयोग बनाया और इसी विचार को आगे बढ़ाया गया। तय हुआ कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग के अधीक्षण और नियंत्रण के साथ ही राज्यों के निर्वाचन आयोग कार्य करेंगे। इस बारे में के एम मुंशी का तर्क था कि, श1833 से 1935 तक के भारत सरकार अधिनियम के प्रावधान ने केंद्रीय सत्ता को मजबूती प्रदान की, जिसके कारण भारत एकजुट रहा। चुनाव आयोग भी एक केंद्रीय निकाय के तौर पर देश में कारगर साबित होगा।श उनका मानना था कि प्रांतीय स्तर पर विभिन्न विषयों के बीच केंद्रीय चुनाव आयोग की आवश्यकता है। गौरतलब है कि संविधान निर्माताओं ने संविधान सभा के बैठने के छह महीने के भीतर ही चुनाव और उससे संबंधित विषयों की चर्चा शुरू कर दी थी। निर्वाचन आयोग का विचार साल 1947 के शुरू में ही स्वीकार कर लिया गया था। उसी साल के जनवरी–फरवरी के महीने में तब तक देश के विभाजन का सवाल निश्चित नहीं हुआ था– मूल अधिकार समिति ने यह विचार रखा था और परामर्शदात्री समिति ने इसे स्वीकार किया था।इसी क्रम में 15 जून, 1949 को डॉ. आंबेडकर ने चुनाव आयोग से संबंधित एक प्रस्ताव रखा, जिसमें पांच प्रमुख बिंदु थे– मतदाता सूची, निर्वाचन आयोग का गठन, राज्यों में चुनाव आयुक्त, निर्वाचन आयुक्तों की सेवा शर्त और निर्वाचन आयोग को कार्य निष्पादन के लिए कर्मचारी। जो आज भी चुनाव आयोग के मूल आधार हैं। यह मौलिक सोच धीरे–धीरे उपजी और संविधान की किताब में भाग–15 के अनुच्छेद 324 से लेकर 329 तक में दर्ज है। यह विचार कनाडा के 1920 के निर्वाचन अधिनियम से प्रेरित है। इस पर बहस और संशोधनों के बाद संविधान सभा के सदस्यों ने इसे स्वीकार किया था। इस बहस में प्रस्तावक आंबेडकर को करीब दो दर्जन बार विभिन्न सवालों के जवाब देने पड़े थे और उन्होंने लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात रखी थी। आजादी के बाद देश में चुनाव आयुक्तों की लंबी फेहरिस्त है। इसमें खास तौर पर 10वें मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन को फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड, आदर्श आचार संहिता, खर्च की सीमा, बूथ कैप्चरिंग, बाहुबल व भ्रष्टाचार आदि पर लगाम कसने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने संविधान के मूल विचारों से प्रेरित होकर इस संवैधानिक संस्था का इकबाल कायम किया था। ऐसे में चुनाव आयोग के नींव में पत्थर टटोलने भर की जरूरत है और बुलंद भारत की इमारत बनते देर नहीं लगेगी।

लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा है बंगाल के नतीजे

शकील

बंगाल की जनता ने बिना डरे वोट दिया है। उसका जो जनादेश है वही सामने आना चाहिए। चुनाव आयोग एक संस्था के तौर पर तो पूरी तरह डरा हुआ, समर्पित है। मगर काम उसे आदमियों से लेना है। मतगणना केन्द्रों में गिनती सही से देखने और बताने की जिम्मेदारी जिन हजारों अधिकारियों मतदाताओं ने वोटिंग मशीन में डाले हैं या जीत गए जीत गए का शोर करके देश के लोकतंत्र में आखिरी कील ठोक दी जाएगी? जिस तरह माहौल बनाया जा रहा है उससे बहुत आशंकाएं हो गई हैं। सुप्रीम कोर्ट कह रहा है कि केन्द्र सरकार के कर्मचारी गिनती कर सकते हैं। शुक्र है यह नहीं कहा कि जो लाखों केन्द्रीय सुरक्षा बल वहां भेजे

और कर्मचारियों पर है अगर वे नहीं डरे तो नतीजे सही आएंगे। किसी बड़े पहलवान को हराने के लिए बड़ी तादाद में लोगों को इकत्र्र्रा करके ले जाया जाता था। और मुकाबला शुरू होते ही लोग अचानक अखाड़े में घुसकर जीत गया जीत गया के नारे लगाते हुए अपने पहलवान को कंधे पर उठा लेते थे!चार मई सोमवार को यही कोशिशें हैं! चुनाव केवल बंगाल का है मगर पूरे देश निगाहें इस बात पर लगीं हैं कि क्या नतीजे वही आएंगे जो गए हैं वे भी गिनती कर सकते हैं।एग्जिट पोल के माध्यम से पहले ही यह माहौल बना दिया है कि भाजपा जीत रही है। गोदी मीडिया उसको और फैला रहा है। ऐसा माहौल बना दिया है कि अगर लोकतंत्र के ताबूत में आखिरी कील ठोकना तय ही कर लिया है तो भाजपा की जीत पर किसी को आश्चर्य न हो। इसे स्वाभाविक मान लिया जाए। मगर इसके बावजूद अगर श्वह फूल खिल कर रहेंगे जो खिलने वाले हैंश हो गया तो यह लोकतंत्र की बहुत बड़ी जीत माना जाएगा। और बंगाल की जनता को इसका पूरा श्रेय होगा।यह साहिर लुधियानवी का शेर है। प्रगतिशील शायर, फिल्मों में उनके लिखे गीतों से बहुत लोकप्रिय भी हैं। श्हजार बर्क गिरे, लाख आंधियां उत्र्रें वो फूल खिल कर रहेंगे जो खिलने वाले हैं !श बर्क मतलब बिजलियां। बहुत आशावाद का शेर है। और अपने लोकतंत्र के लिए ऐसी आशा सब कर भी रहे हैं। उम्मीद है जनता की जीत होगी। उसने जो अपने वोट के जरिए कहा है वही चार मई को मतगणना केन्द्रों से सामने आएगा। वह नहीं जो एग्जिट पोल के जरिए प्रचार किया गया है। हर बार की तरह एग्जिट पोल गलत साबित होंगे।चुनाव आयोग एग्जिट पोल को सही साबित करने की कोशिश नहीं करेगा, बल्कि मतदाताओं के वोट को सही रूप से पेश करेगा। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है। पांच राज्यों में चुनाव हुए। सबकी मतगणना हो रही है। मगर चिंता केवल बंगाल की। और दरअसल यह बंगाल की चिंता नहीं है यह चिंता देश के लोकतंत्र की है।अगर चुनाव आयोग को अपने मनचाहे नतीजे ही घोषित करना हैं तो फिर चुनाव की सारी प्रक्रियाओं की क्या जरूरत? चुनाव आयोग को सीधे नतीजे ही घोषित करना चाहिए। जब दो चार दबंग गांव मिलकर इस तरह जीत गया जीत गया के शोर में अपना पहलवान जिता लेते हैं तो फिर वहां दंगल लड़ने ही कोई नहीं जाता। खुद ही फलाना क्षेत्र केसरी की घोषणा करते रहते हैं। और एक दिन उन गांवों से पहलवानी ही खतम हो जाती है। लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा है बंगाल चुनाव। अगर मनमानी की तो बहुत गंभीर परिणाम होंगे। हरियाणा की जनता ने पता नहीं कैसे स्वीकार कर लिए? शायद वहां कांग्रेस की आपसी लड़ाई से उसे लगा कि यह लोग इसी काबिल थे। महाराष्ट्र में विपक्ष में बहुत सारे दल थे। किसी एक दल का जनता पर असर नहीं था। वहां भी जीत गए जीत गए चल गया। बिहार में भी ऐसा ही हुआ। कांग्रेस तो कमजोर थी ही, तेजस्वी भी कोई विशेष प्रभाव नहीं डाल पाए। यह सब चुनाव आयोग को ढाल मिल गई। कर्नाटक लोकसभा चुनावों से लेकर इन सब राज्यों की विधानसभाओं में चुनाव आयोग ने बहुत बड़े पैमाने में गड़बड़ियां कीं। मगर विपक्ष भी उस तरह नहीं लड़ पाया जैसे इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसे लड़ना था। वह भी पहले से ऐसे बहाने की भाषा बोल रहा था कि चुनाव आयोग जीतने तो देगा नहीं! मगर बंगाल में स्थितियां बिल्कुल अलग हैं। यहां ममता बनर्जी ने पूरी ताकत से मोदी और अमित शाह का विरोध किया है। उनके कार्यकर्ता भी हिम्मत के साथ लड़े। और उन सबसे ऊपर जनता भी ममता के साथ थी। जितने पत्रकार यहां से गये सबने कहा, लिखा कि 15 साल के बाद जितनी इनकम्बेन्सी हो जाती है। ममता के खिलाफ उतनी नहीं है। नाराजगी है मगर ऐसी नहीं कि उन्हें कुर्सी से उतारना चाहे। और दूसरी बात वहां का भद्रलोक भाजपा की आक्रामक और अहंकारी राजनीति को बिल्कुल नहीं चाहता। वह राजनीतिक रूप से जागरूक है और उसे मालूम है कि जहां–जहां भाजपा की राज्य सरकारें है वहां जनता का क्या हाल है। वह मोदी अमित शाह की बड़ी–बड़ी बातों पर नहीं जा रहा। राजनीतिक विश्लेषण पत्रिका लेकिन यह सब माहौल 29 अप्रैल तक था। एग्जिट पोल आने के पहले तक। एग्जिट पोल इसी सच के माहौल को तोड़ने के लिए लाए गए। एक बड़ा झूठ फैला दिया गया। जीत रहे हैं! जीतेगा भई जीतेगा! और फिर जीत गए जीत गए! जब आप यह पढ़ रहे होंगे तो शायद ट्रेन्ड आना शुरू हो चुके होंगे। मगर ऐसे में जो हमेशा कहा जाता है कि दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। वैसा कहने का माहौल नहीं रहने दिया।चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो गई है। सुप्रीम कोर्ट भी गिनती से ठीक पहले तक उसकी हर बात का समर्थन करता रहा। प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृह मंत्री ने जीत की घोषणा कर दी है। एग्जिट पोल तो कह ही रहे हैं। गोदी मीडिया ने साफ शब्दों में जीत बोल रहा है। कभी ऐसा नहीं हुआ कि मतदान के लास्ट फेज के बाद प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृह मंत्री इस तरह जीत की घोषणा करें। सब सेफ साइड रखते हैं। और वोटिंग हो जाने के बाद प्रधानमंत्री पूरे देश का हो जाता है। मगर यहां यह सब बात नहीं! बस हर चुनाव जीतना है। कैसे? इससे कोई मतलब नहीं। इसलिए वोटिंग के बाद जीत के दावे करके मतगणना अधिकारियों पर फाइनल दबाव डाल गया कि समझ लो हम क्या चाहते हैं! लेकिन फिर भी यकीन है कि यह देश ऐसे डरने वाला नहीं है। बंगाल की जनता ने बिना डरे वोट दिया है। उसका जो जनादेश है वही सामने आना चाहिए। चुनाव आयोग एक संस्था के तौर पर तो पूरी तरह डरा हुआ, समर्पित है। मगर काम उसे आदमियों से लेना है। मतगणना केन्द्रों में गिनती सही से देखने और बताने की जिम्मेदारी जिन हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों पर है अगर वे नहीं डरे तो नतीजे सही आएंगे। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो परिणाम बहुत गंभीर हो सकते हैं।

धर्म शासित ईरान की सामरिक–आक्रामक तैयारी व बढ़ती सैन्य क्षमता गैर इस्लामिक देशों के लिए नसीहत है

कमलेश

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत–इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद "असममित युद्ध की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है। वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं। अनुभव बताता है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर ज्यादा भरोसा करता है और इस्लामिक नाटो का पक्षधर भी है, इसलिए ईरान के मामले में भारत की जरा सी रणनीतिक लापरवाही उसे चीनी चक्रब्यूह में घिरे अभिमन्यु वाली कर देगी, क्योंकि भारत की हिन्दू विरोधी मुस्लिम राजनीति के आर्थिक स्रोत भी इस्लामिक मुल्कों से ही जुड़े बताए जाते हैं। पहले ईरान से भारत–इजरायल समेत शेष दुनिया को मिलने वाली प्रमुख सामरिक सीखें निम्नलिखित हैं पहला, आत्मनिर्भर सैन्य उत्पादन सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि ईरान ने दशकों के प्रतिबंधों के बावजूद अपने मिसाइल, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र को घरेलू स्तर पर विकसित किया। आज उसके पास मध्य–पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार माना जाता है। चूंकि वहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं और ईरान ने लोकतंत्र की बजाय समानांतर कट्टर धार्मिक तंत्र विकसित कर लिया, जिससे भारत को अवश्य सीखने की जरूरत है। क्योंकि ईरान की इस नीति का संदेश स्पष्ट है– "जो देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा, वही लंबे संघर्ष में टिकेगा।" दूसरा, ड्रोन युद्ध ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है, क्योंकि ईरान ने कम लागत वाले ड्रोन को "रणनीतिक हथियार" बना दिया। उसने दिखाया कि हजारों करोड़ की एयर डिफेंस प्रणाली को सस्ते ड्रोन झुंड (ूतउ) से भी चुनौती दी जा सकती है। इसलिए आज अमेरिका तक स्वीकार कर रहा है कि महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के मुकाबले सस्ते ड्रोन "ब्वेज प्ुइंसंदबम" पैदा कर रहे हैं। तीसरा, युद्ध केवल हथियार नहीं, "धैर्य" से जीता जाता है, यही बात ईरान ने दुनिया को सिखलाया है। जिस तरह से उसने अमेरिका–इजरायल के यौद्धिक गुरूर को तोड़ा है, वह शोध का विषय है, क्योंकि रूस–चीन के नैतिक मदद से उसने यह सफलता हासिल की है। ईरान ने प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक "लंबी थकाऊ लड़ाई की रणनीति अपनाई। उसका उद्देश्य तत्काल जीत नहीं, बल्कि विरोधी की आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक क्षमता को थकाना रहा। यह आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकता है। चौथा, कमांड सिस्टम का बैकअप अत्यंत जरूरी होता है, ताकि भारी हमलों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद ईरान का सैन्य कमांड ढांचा पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुआ। उसने पहले से वैकल्पिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत कमांड संरचना तैयार कर रखी थी। यह हर राष्ट्र के लिए बड़ा संदेश है किकृ"युद्ध में नेतृत्व का विकल्प पहले से तैयार होना चाहिए।" पांचवां, मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार कियाकृ हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु–स्तरीय दबाव बनाया। यह "भ्लइतपक ॅंतिम" का आधुनिक मॉडल है। छठा, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की शक्ति विकसित करके आक्रमणकारियों को तोड़ना ईरानी दूरदर्शिता का ही तकाजा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का प्रभाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। इसी कारण अमेरिका और पश्चिम लगातार उस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाते रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता हैकृ"भूगोल भी उतना ही बड़ा हथियार है जितना मिसाइल।" सातवां, तकनीकी युद्ध में सस्ता हथियार भी निर्णायक होता है, यह ईरान ने साबित कर दिया है। ईरान ने दिखाया कि हर युद्ध अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर से नहीं जीता जाता। कभी–कभी सस्ती, तेज और बड़ी संख्या में उपलब्ध तकनीक अधिक प्रभावी होती है। ईरान की तैयारी गैर इस्लामिक दुनिया को यह सिखाती है कि आधुनिक युद्ध केवल परमाणु बम या महंगे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़े जाते। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन, ड्रोन तकनीक, मिसाइल क्षमता, साइबर–रणनीति, वैकल्पिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक युद्धकृये सब मिलकर किसी राष्ट्र को सामरिक शक्ति बनाते हैं। इसीलिए आज अमेरिका, इजराइल, रूस, चीन और भारत समेत दुनिया की बड़ी सैन्य शक्तियां भी "ईरानी मॉडल" का गंभीर अध्ययन कर रही हैं। एक बात और, ईरान के सामरिक मॉडल से भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होतीय दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए "बहुस्तरीय राष्ट्रीय प्रतिरोध क्षमता" विकसित करनी पड़ती है। विशेषकर तब, जब भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, कट्टरपंथ और चीन–पाकिस्तान जैसे सामरिक गठबंधनों का सामना करना पड़ रहा हो। हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि "इस्लामिक देश" एक समान इकाई नहीं हैं। भारत के कई इस्लामी देशोंकृजैसे संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतरकृसे मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। भारत की मुख्य सुरक्षा चुनौती कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क, आतंकवादी संरचनाओं और शत्रुतापूर्ण राज्य–नीतियों से रही है, न कि सम्पूर्ण इस्लामी विश्व से। पहला, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ही निर्णायक सुरक्षारू ईरान ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र विकसित किए। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता घटानी होगी। "आत्मनिर्भर भारत" को केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धकालीन औद्योगिक क्षमता बनाना होगा। ईरान ने दिखाया कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी एयर डिफेंस प्रणाली को चुनौती दे सकते हैं। भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद–रोधी अभियानों और समुद्री निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन नेटवर्क बनाना होगा।

कोई दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने या देने की जरूरत नहीं, 22 मई से प्रगणक घर आकर भरेंगे विवरण

लखनऊ, (संवाददाता)। आगामी जनगणना प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट किया गया है कि नागरिकों को किसी भी प्रकार का दस्तावेज जमा करने या ऑनलाइन अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। चाहे आप स्वयं ऑनलाइन स्वगणना करें या फिर प्रगणक आपके घर आकर विवरण भरें, किसी भी स्थिति में आधार कार्ड या अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करने की जरूरत नहीं है। केवल मकान और परिवार से संबंधित जानकारी देना पर्याप्त होगा। जनगणना का पहला चरण 22 मई से 20 जून तक चलेगा। इसके पहले 7 से 21 मई तक स्वगणना की प्रक्रिया होगी। पर परिवार के मुखिया को मोबाइल नंबर से लॉगिन कर विवरण भरना होगा। फॉर्म भरने के बाद एक आईडी मिलेगी जिसे प्रगणक को देना होगा जो लोग ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी नहीं करेंगे उनके फॉर्म खुद प्रगणक घर पहुंचकर भरेंगे। मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि जनगणना प्रक्रिया में किसी भी शख्स को कोई दस्तावेज नहीं देना होगा। इसको लेकर किसी तरह का संशय नहीं होना चाहिए।

जो जानकारी परिवार के मुखिया भरेंगे उसका सत्यापन प्रगणक करेंगे। जनगणना के दौरान 34 सवालों के जवाब भरे जाएंगे। इसमें कोई भी सवाल छोड़ नहीं सकते। अगर किसी सवाल का जवाब नहीं दिया तो फॉर्म भरेगा ही नहीं। अगर खुद भरेंगे तो ओटीपी आएगा, जिससे लॉगिन करना होगा। वहीं अगर ये प्रक्रिया प्रगणक करेंगे तो कोई ओटीपी नहीं आएगा। निदेशक ने बताया कि स्वगणना की प्रक्रिया बेहद सरल है। लॉगिन करके सवालों के जवाब देने होंगे। फॉर्म ऑनलाइन सबमिट हो जाएगा। वहीं अगर फॉर्म खुद नहीं भरते हैं तो दस से पंद्रह मिनट का समय प्रगणक को देना होगा। जिससे वह परिवार के मुखिया से बातचीत कर सही व स्पष्ट जानकारी भर सकेंगे। निदेशक ने लोगों से सहयोग करने की अपील की है। मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि तमाम लोग गांव छोड़कर शहरों में रह रहे हैं। ऐसी स्थिति में शहर में रहने वाले लोगों की गणना शहर से होगी। जो लोग गांव में रह रहे होंगे उनकी गणना गांव में ही होगी। ऐसा संभव नहीं होगा कि गांव में उनके परिवार वाले शहर में रहने वाले सदस्य की जानकारी फॉर्म में भर दें। स्पष्ट है कि जिसका जहां निवास, उसकी वहीं पर गणना की जाएगी।

भाजपा जिला कार्यसमिति बैठक में प्रशिक्षण वर्ग योजना पर मंथन, संगठन मजबूती पर जोर : महेश चंद्र श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा के महा प्रशिक्षण अभियान–2026 के तहत मंगलवार को जौनपुर जिला कार्यालय पर जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की, जबकि मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद डॉ. के.पी. सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं वंदे मातरम् गीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन की मजबूती, अनुशासन और जमीनी सक्रियता ही सफलता की कुंजी है। कार्यकर्ता पार्टी की असली ताकत हैं और उनके समर्पण से ही संगठन आगे बढ़ता है। उन्होंने जनसंपर्क, सेवा कार्य और संगठन विस्तार पर विशेष बल दिया। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा केवल चुनावी राजनीति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का व्यापक आंदोलन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाने और नियमित रूप से कार्यसमिति बैठकें आयोजित करने का आह्वान किया। राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने संगठन की ताकत को सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कार्यकर्ताओं से निष्ठा और समर्पण के साथ जनता के बीच सक्रिय रहने की अपील की। वहीं, एमएलसी बृजेश सिंह 'प्रिंशु' ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल कार्यकर्ताओं के समर्पण से बना है, जो सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हैं। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'अंत्योदय' से 'सर्वोदय' की ओर अग्रसर है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विपक्ष के भ्रम फैलाने वाले प्रयासों का तथ्यात्मक जवाब देने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व सांसद डॉ. के.पी. सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह, पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह और सुशील उपाध्याय ने भी संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों की तैयारियों पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासन की प्राथमिकताओं, योजनाओं को धरातल पर उतारना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता : डीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन० ने मंगलवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान उन्होंने कोषागार कार्यालय पहुंचकर समस्त आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कीं। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की

प्राथमिकताओं और योजनाओं को धरातल पर उतारना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि शिकायत निवारण प्रणाली के अंतर्गत आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, वरिष्ठ कोषाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित ।

दो बाइकों की भिड़ंत के बाद मदद करने पहुंचे लोगों को कार ने कुचला, आठ की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। अंबेडकरनगर के जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर मार्ग पर अशरफपुर के पास देर रात करीब 12:00 बजे दो मोटरसाइकिल की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार लोग घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग उनकी मदद करने के लिए पहुंचे। जिनमें लालचंद्र पुत्र फेंकू निवासी पट्टी मुइथन जलालपुर, उत्तम पुत्र जगतपाल निवासी सेमरा कटका, कैफी पुत्र हसन मोहसिन निवासी लोरपुर ताजन, राजू पुत्र छेदीलाल निवासी सिकंदरपुर सम्मनपुर सहित सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी आदित्य व दिव्यांशु दोनों सगे भाइयों की भी घटना में मौत हो गई। यह दोनों भाई एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जलालपुर गए थे। वापस लौटते समय हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर गाड़ी ने वहां मौजूद लोगों को टक्कर मार दी और गड्ढे में जाकर पलट गई थी। पिता मायाराम का हादसे के बाद से बुरा हाल है। वहीं अभी दो अन्य शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ जयवीर सिंह ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। अज्ञात शवों की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे में कटका के सेमरा निवासी उत्तम, सम्मनपुर के जैना निवासी आदित्य (25), इसी गांव के छोटू उर्फ दिव्यांश (14), सम्मनपुर के सिकंदरपुर निवासी राजू गुप्ता (32), जलालपुर के पट्टी मोईन निवासी लालचंद (24), सैदापुर निवासी कैफ (32) आठ लोगों की मौत हो गई।

दूल्हे आजाद बिंद के परिजनों से मिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल, 50 हजार की आर्थिक सहायता दी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में खेतासराय थाना क्षेत्र में दूल्हे आजाद बिंद की हत्या के बाद कांग्रेस पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को उनके बडउर गांव स्थित आवास पहुंचा। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान जौनपुर सदर के पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता नदीम जावेद ने दिवंगत आजाद बिंद के परिवार को 50 हजार रुपए की नकद आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने परिजनों को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने मोबाइल फोन के माध्यम से पूर्व विधायक नदीम जावेद की परिजनों से वार्ता कराई। इसके बाद उन्होंने प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो गया है, जिससे प्रदेश में जंगलराज जैसी स्थिति बन रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के दावे खोखले साबित हो रहे हैं और दिनदहाड़े दूल्हे की हत्या इसकी गंभीरता को दर्शाती है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने प्रशासन से मांग की कि आरोपियों के खिलाफ निष्पक्ष एवं सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय मिल सके। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष लाल प्रकाश पाल, सभासद शहनवाज मंजूर, दिनेश तिवारी, जय मंगल यादव, जयप्रकाश मिश्रा सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जौनपुर में शिक्षामित्रों का बढ़ा मानदेय, सम्मान समारोह में कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर के कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षामित्र सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, एमएलसी बृजेश सिंह 'प्रिंशु', मछलीशहर के जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. तथा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित

कर किया। इस अवसर पर लखनऊ से आयोजित मुख्यमंत्री के मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया तथा उनके उद्बोधन को सुना गया। बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। साथ ही, विभाग द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अतिथियों ने अवलोकन कर योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी ली। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए शिक्षामित्रों को मानदेय वृद्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्रों की लंबे समय से चली आ रही मांग को शासन ने स्वीकार किया है। साथ ही उन्हें कैशलेस चिकित्सा सुविधा से भी जोड़ा जा रहा है, जो उनके हित में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। नवागत जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने शिक्षामित्रों को शुभकामनाएं दीं, जबकि मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इससे पहले कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

संख्यात्मक सवालों ने उलझाया, एनसीईआरटी ने दी राहत

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने रविवार को राजधानी के 76 केंद्रों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) आयोजित की। मेडिकल की पढ़ाई के लिए प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को संख्यात्मक सूत्रों से जुड़े सवालों ने उलझा दिया, लेकिन एनसीईआरटी आधारित प्रश्नों से थोड़ी राहत मिली। नेशनल पीजी कॉलेज परीक्षा केंद्र से परीक्षा देकर निकली श्रृष्टि गुप्ता ने बताया कि तीन घंटे में कुल 180 प्रश्नों के जवाब देने थे। इनमें 45–45 प्रश्न भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान से पूछे गए, जबकि 90 प्रश्न जीव विज्ञान विषय पर आधारित थे। भौतिक और रसायन विज्ञान में संख्यात्मक सूत्र, अकार्बनिक रसायन और रासायनिक अभिक्रियाओं से जुड़े सवाल पूछे गए।

आने वाले पांच दिनों तक प्रदेश में आंधी–बारिश का अलर्ट, मौसम विभाग के साथ सरकार ने जारी की चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में लगातार सक्रिय दूसरे पश्चिमी विक्षोभ के असर से ज्यादातर हिस्सों में बूंदाबांदी और तेज हवाओं का दौर जारी है। रविवार को कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। बाराबंकी में

सबसे ज्यादा 50 मिमी वर्षा हुई, जबकि सुल्तानपुर में 35.3 मिमी, गोंडा में 31.5 मिमी, अयोध्या और हरदोई में 22.2 मिमी तथा बरेली में 16 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। दिन में चली ठंडी हवाओं ने धूप की तीव्रता को कम कर दिया, जिससे लोगों को राहत महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार–पांच दिनों तक पूर्वी और पश्चिमी यूपी में कहीं–कहीं हल्की बारिश होती रहेगी। सोमवार को कुछ स्थानों पर गरज–चमक के साथ तेज हवाएं और ओलावृष्टि की भी संभावना है। कई जिलों में पारा सामान्य से करीब 9 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहा। गोरखपुर में अधिकतम तापमान 31 डिग्री, जो सामान्य से 8.9 डिग्री कम रहा, जबकि बलिया में 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि बुंदेलखंड में गर्मी का असर बना हुआ है, जहां उरई में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। वहीं हरदोई में 16 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक बारिश, आंधी और वज्रपात की गतिविधियां जारी रहेंगी। चार से सात मई के बीच 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। फिलहाल एक सप्ताह तक लू चलने के आसार नहीं हैं। उत्तर प्रदेश में 4 मई को संभावित खराब मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से सतर्क रहने की अपील की है। आंधी, तेज हवाओं और बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार कई जिलों में तेज हवाएं, गरज–चमक और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे में लोगों को खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचना चाहिए। किसानों से अपनी फसल और पशुधन का भी ख्याल रखने की अपील की है। सीएम योगी ने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि खराब मौसम के दौरान बच्चों को घर के अंदर ही रखें। वहीं प्रशासन को भी पूरी तरह मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। सभी जिलाधिकारियों, पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है। राहत और बचाव टीमों को सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। सरकार हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है, लेकिन जनता का सहयोग बेहद जरूरी है। प्रदेश के मौसम केंद्र ने कई जिलों में भारी ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। खासकर तराई और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और लखीमपुर खीरी में इसका अधिक असर देखने को मिल सकता है। नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राजधानी में अगले एक सप्ताह तक मौसम का मिजाज नर्म रहने वाला है। रविवार तड़के तेज हवाओं से साथ बूंदाबांदी हुई। दिन में बादलों की आवाजाही देखने को मिली। इससे अधिकतम तापमान सामान्य से 6.1 डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया। सोमवार को भी तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से लखनऊ में एक हफ्ते तक मौसम उतार–चढ़ाव भरा रहेगा।

सीटें बढ़ने से आसान होगी दाखिले की दौड़

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026–27 से अपने पाठ्यक्रमों और सीटों में व्यापक विस्तार का फैसला किया है। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप किए गए इस बदलाव के तहत विश्वविद्यालय ने न केवल पारंपरिक पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ाई हैं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे आधुनिक विषयों में नए कोर्स शुरू कर छात्रों के लिए करियर व रोजगार के नए रास्ते भी खोले हैं। स्नातक स्तर पर सबसे ज्यादा बढ़ोतरी बीए (सेल्फ फाइनेंस) में की गई है, जिसमें सभी विषयों को मिलाकर करीब 1430 सीटें बढ़ाई गई हैं। वहीं बीएससी (मैथ्स) में 287 और बीएससी (बायोलॉजी) में 155 सीटों का इजाफा हुआ है। इन सभी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की सीटें भी शामिल हैं। एआई व डेटा साइंस में कई नए कोर्स शुरू कंप्यूटर विज्ञान विभाग में आधुनिक तकनीकों को ध्यान में रखते हुए चार नए बीसीए कोर्स– एआई एंड मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और बीएससी साइबर सिक्योरिटी शुरू किए गए हैं। इनमें प्रत्येक में 75–75 सीटें होंगी। साथ ही एआई, साइबर सिक्योरिटी और डेटा साइंस में तीन नए एमएससी कोर्स शुरू किए गए हैं। एमएससी कंप्यूटर साइंस की सीटें भी दोगुनी कर दी गई हैं। विधि संकाय में पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एलएलबी की सीटें 176 से बढ़ाकर 330 कर दी गई हैं। साथ ही बीबीए–एलएलबी का नया कोर्स भी शुरू किया गया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए कांग्रेसियों ने किया हवन–पूजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के अस्वस्थ होने पर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना के लिए मंगलवार को जौनपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हवन–पूजन किया। विदित हो कि अजय राय की तबीयत खराब होने के कारण उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना को लेकर यह धार्मिक अनुष्ठान कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पतहना गांव में आयोजित किया गया। हवन में ब्राह्मण यजमानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन कुंड में आहुतियां अर्पित की गईं। हवन अनुष्ठान का संचालन विद्वान पंडित जयप्रकाश मिश्र एवं पंडित सुक्खू उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्यालयों से जुड़ी शिकायतों की जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी ने की खारिज

लखनऊ। राजधानी में करीब 25 निजी विद्यालयों के खिलाफ अभिभावकों ने जिला प्रशासन से शिकायत की। जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में बनी जिला शुल्क नियामक समिति ने सभी शिकायतों की जांच करने के बाद रिपोर्ट जिलाधिकारी के समक्ष रखी। डीएम ने ब्राइट वे इंटर कॉलेज को छोड़कर अन्य सभी शिकायतों की जांच रिपोर्ट को खारिज करते हुए पुनरू जांच के निर्देश दिए हैं। जिला शुल्क नियामक समिति की जांच में पुष्टि हुई है कि ब्राइट वे इंटर कॉलेज ने इस वर्ष 25 फीसदी तक फीस में बढ़ोतरी की है। जिलाधिकारी के निर्देश पर विद्यालय को नोटिस जारी किया गया है। हालांकि, विद्यालय ने अभी कोई जवाब नहीं दिया है। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) राकेश कुमार के अनुसार, राजधानी के लखनऊ मॉडल पब्लिक इंटर कॉलेज, मीरा हिल कॉन्वेंट स्कूल हरिनगर, करेहटा स्कूल, अवध कॉलेजिएट, आश्रम एकेडमी, सेंट्रल एकेडमी, सरस्वती विद्यालय मंदिर और सीएमएस अलीगंज सहित 25 विद्यालयों के खिलाफ अभिभावकों ने शिकायत की थी। इनमें मनमाना फीस की बढ़ोतरी, विशेष दुकान से ड्रेस और किताबें खरीदने का दबाव सहित अन्य शिकायतें हैं। प्रत्येक जोन में जिला प्रशासन और स्थानीय राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की अगुवाई में शिकायतों की जांच की गई। शिकायतों के आधार पर जांच रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया लेकिन उन्होंने रिपोर्ट पर असंतोष जाहिर करते हुए पुनरू जांच के लिए कहा है।

बिजली ऑडिट से रुक सकती हैं आग की 90 फीसदी घटनाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। नई दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के शॉर्ट सर्किट से एक चार मंजिला मकान में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। देश को झकझोरने वाली इस घटना ने ये सोचने के लिए मजबूर किया है कि लोग शॉर्ट सर्किट जैसी स्थिति से बचने के लिए कितने सजग हैं। यह विषय इसलिए भी प्रासंगिक है क्योंकि सोमवार को विश्व अग्निशमन दिवस है। संवाद न्यूज एजेंसी ने पड़ताल की तो चौंकाने वाली जानकारियां सामने आईं। अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग की 10 में से नौ घटनाओं की वजह शॉर्ट सर्किट होती है। इसके बावजूद लोग बिजली विभाग से सुरक्षा ऑडिट नहीं कराते। ज्यादातर लोगों को पता ही नहीं कि वह बिजली संबंधी सुरक्षा ऑडिट भी करा सकते हैं। आग लगने के मामलों में अग्निशमन कर्मी जान पर खेलकर जानमाल की रक्षा करते हैं। इन कर्मियों के साहस और समर्पण को सलाम करने के लिए हर वर्ष चार मई को विश्व अग्निशमन दिवस मनाया जाता है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश कुमार मित्तल ने बताया कि शहर में ऐसे बहुत से अपार्टमेंट हैं जो दशकों पुराने हैं। इन अपार्टमेंट की संख्या पुराने लखनऊ में अधिक है। इनमें निर्माण के समय हुई वायरिंग अभी तक चल रही है मगर लोड सात दर साल बढ़ता जा रहा है। ओवरलोडिंग और विद्युत उपकरणों का गलत इस्तेमाल शॉर्ट सर्किट का मुख्य कारण बनता है। खतरा होने के बावजूद अपार्टमेंट के अनुरक्षण (मेंटेनेंस) प्रभारी बिजली विभाग से ऑडिट नहीं कराते। अगर शॉर्ट सर्किट से लगने वाली आग पर प्रभावी रोकथाम चाहिए तो पांच वर्ष के अंतराल पर बिजली वायरिंग का अनिवार्य रूप से ऑडिट कराना चाहिए। इस दौरान वायरिंग खराब मिलने पर उसे तुरंत बदलना चाहिए। भवनों को ऊंचाई के मानक के अनुसार तीन से पांच वर्ष तक के लिए अग्निशमन की एनओसी दी जाती है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ पुराने अपार्टमेंट को बिजली सुरक्षा ऑडिट की जरूरत है। कायदे से शहर के सभी छोटे–बड़े घरों को यह ऑडिट करानी चाहिए। ऊंचे भवनों में सुरक्षा ऑडिट पर जोर इसलिए दिया जाता है क्योंकि आग लगने की दशा में ऐसे भवनों रेस्क्यू में समय लगता है। चुनौतियां भी ज्यादा होती हैं। एफएसओ हजरतगंज राम कुमार रावत ने बताया कि आग लगने पर सबसे बड़ी बाधा होती है संबंधित तल या फ्लैट तक पहुंचने की। अगर पहुंच भी गए तो बालकनी में लगी लोहे की ग्रिल के कारण फ्लैट के अंदर पहुंचना मुश्किल हो जाता है। खिड़कियां या बालकनी बंद रहने से आग की दशा में धुआं निकल नहीं पाता।

स्व-गणना करने हेतु प्रोत्साहित करने का दिया निर्देश - डीएम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिलाधिकारीध्प्रमुख जनगणना अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 22 मई से 20 जून लिए जनसम्पर्क हेतु रणनीतियां (जनगणना प्रेषण–6) तथा मुख्य सचिव सरकार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा संवैधानिक गणमान्य व्यक्तियों और अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों तथा अधीनस्थ निदेशालयोध्उपक्रमोंध्निगमोंध्कार्यालयों आदि के कर्मचारियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों से स्व–गणना करने हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया है।उसी क्रम में भारत की जनगणना–2027 के प्रथम चरण मकानों का सूचीकरण एवं मकानों की गणना कराये जाने हेतु गणना 07.05.2026 से 21.05.2026 कराये जाने हेतु कार्ययोजना तैयार की गयी है इस स्व–गणना हेतु तिथिवार कार्यक्रम दिनांक 07 मई 2026 को कलेक्ट्रेट मुख्यालय में प्रातः 10 बजे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सम्बंधित चार्ज अधिकारी नामित अधिकारी से समन्वय स्थापित कर आवश्यकतानुसार प्रगणकध्पर्यवेक्षक उपलब्ध करायेंगे इस हेतु रेजीडेंट मजिस्ट्रेट को नामित अधिकारी बनाया गया है।इसी क्रम में दिनांक 7 मई

2026 को सिविल कोर्ट व जिला बार एसोसिएशन हेतु अतिरिक्त मजिस्ट्रेट (प्रथम) को नामित अधिकारी बनाया गया है। प्रातः 11 बजे नगर निगम हेतु अपर नगर आयुक्त नगर निगम, प्रातः 11 बजे तहसील सदर हेतु सम्बंधित तहसीलदार सदर को, दोपहर 12 बजे तहसील सदर के अन्तर्गत आने वाले समस्त विकाखण्डों हेतु सम्बंधित खण्ड विकास अधिकारी को तथा अपरान्ह 1 बजे तहसील सदर के अन्तर्गत आने वाले समस्त नगर पंचायतों हेतु सम्बंधित अधिशाषी अधिकारी को नामित अधिकारी बनाया गया है। इसी क्रम में दिनांक 08 मई 2026 से दिनांक 21 मई 2026 तक तहसील सोहावल, तहसील बीकापुर, तहसील मिल्कीपुर, तहसील रुदौली, सभी विकाखण्डों, नगर पंचायतों, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, विकास विभाग, व्यापारिक संगठन, स्वास्थ्य विभाग, निबन्धन विभाग, औद्योगिक इकाई, प्रसिद्ध खिलाड़ी, एन0जी0ओ0 व श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट व अन्य ट्रस्ट हेतु नामित अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। जिलाधिकारीध्प्रमुख जनगणना अधिकारी ने अयोध्या में विभिन्न तिथियों पर स्व–गणना को कार्य वृहद कार्य कराये जाने हेतु मुख्य विकास अधिकारी अयोध्या को नोडल अधिकारी तथा जिला विकास अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नामित किया गया है।सभी नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी, नामित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया जाना सुनिश्चित करें।

ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को हनुमानगढ़ी सहित अन्य प्रमुख मंदिरों पर उमड़ी भक्तों की भीड़

अयोध्या। ज्येष्ठ माह के पहले बड़े मंगलवार को अयोध्या धाम स्थित हनुमानगढी समेत कई प्रमुख हनुमान मंदिरों पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।जो भोर से ही दिखाई दिया और देर शाम तक रही।एक तरफ जहां इस दिन हनुमानगढ़ी सहित प्रमुख मंदिरों पर हनुमान भक्तों की भारी संख्या में भीड़ देखी। दूर दराज से आने वाले तथा स्थानीय लोग जहां सुबह से ही हनुमान जी की एक झलक पाने के लिए घंटे कतारो में लगकर प्रतीक्षा कर रहे थे।वही अयोध्या धाम सहित शहर के विभिन्न मंदिरों,चौराहों पर भक्तों ने भंडारे का भी आयोजन किया था।जहां पर भारी संख्या में श्रद्धालु हनुमान जी के प्रसाद को ग्रहण करते दिखाई दिये।ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को हनुमानगढी पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रही।वहीं अन्य मंदिरों पर भी सुरक्षा को लेकर सादे व वर्दी में पुलिसकर्मी की ड्यूटी लगी थी।ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार को अयोध्या धाम के हनुमानगढी के अलावा शहर के नाका स्थित हनुमानगढी,रिकाबगंज,साहबगंज,वजीरगंज, देवकाली,सीतापुर नेत्र चिकित्सालय के सामने,नियांवा, सहादतगंज सहित कई प्रमुख स्थानों पर स्थित हनुमान जी के मंदिरों पर भक्त हनुमान जी के एक झलक पाने के लिए आतुर दिखे और यहां पर भारी संख्या में भीड़ दिखाई दी।इन जगहों पर भंडारे का भी आयोजन किया गया था जहां पर हनुमान चालीसा सहित अन्य प्रमुख हनुमान जी के भजनों से वहां का वातावरण भक्तिमय हो रहा था।

आजादी के बाद बंगाल के जनता ने ली पहली बार खुली हवा मे सांस – बृजभूषण सिंह

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार बंगाल की जनता ने खुली हवा में सांस ली।इसका पूरा श्रेय भाजपा कार्यकर्ताओं व भारतीय जनता पार्टी को जाता है। इस जीत के पीछे एक व्यक्ति का नाम लेते हुए उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह को श्रेय

दिया।बृजभूषण ने कहा कि यह उन्हीं की सबसे बड़ी रणनीति का नतीजा है,जिसके कारण देश आज यह दिन देख पा रहा है।उन्हें खुद भी यकीन नहीं था कि ऐसा दिन आएगा जब बंगाल के लोग खुलकर सांस ले सकेंगे।विपक्ष द्वारा लगाए गए लोकतंत्र की लूट के आरोपों पर बृजभूषण शरण सिंह चुप्पी साध गए।उन्होंने साफ कहा कि इस मुद्दे पर वह कुछ नहीं बोलेंगे।बताते चले आज ज्येष्ठ माह के पहले मंगलवार पर मुख्य अतिथि के रूप में बृजभूषण शरण सिंह मधुर मिलन के द्वारा कराए गए विशाल भंडारे के कार्यक्रम के दौरान अयोध्या पहुंचे थे।

सर्किट हाउस मे शिक्षामित्र सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मंगलवार को सर्किट हाउस में आयोजित शिक्षामित्र सम्मान समारोह का किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप मे राज्य मंत्री रजनी तिवारी रही।वही विशिष्ट अतिथि के रुप मे विधायक रुदौली रामचंद्र यादव,विधायक बीकापुर डॉ अमित सिंह चौहान,विधायक गोसाईगंज अभय सिंह नगर अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव,जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह एवं बीएसए लाल चंद्र मौजूद रहे। इस मौके पर शिक्षामित्रों के मानदेय की बढ़ोतरी 10000 से 18000 किए जाने के संबंध में समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ सबसे पहले मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम से हुआ।उसके बाद शिक्षामित्रों को चेक का वितरण किया गया।साथ ही साथ अधिकतम नामांकन किए जाने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया।जिसमें रुदौली से प्राथमिक विद्यालय नयागंज,बीकापुर से पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौरे बाजार,बीकापुर से ही पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामपुर भगन,पूरा बाजार से पूर्व माध्यमिक विद्यालय पूरा ए,अमानीगंज विकासखंड से कंपोजिट विद्यालय खंडासा और उच्च प्राथमिक विद्यालय मसौधा से शिवाला मऊ के प्रधानाध्यापक सम्मानित किए गए।इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने सभी शिक्षामित्रों को बधाई देते हुए कहा कि सीएम के ठोस निर्णय के फलस्वरुप लगातार शिक्षा मित्रों के मानदेय में बढ़ोतरी की गई।पहले 3500 से 10000 और फिर 10000 से 18000 रुपए मानदेय अब शिक्षामित्र को प्रदान किया जा रहा है।इस अवसर पर बीएसए लाल चंद्र ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी को बुके भेंट करके मुख्य विकास अधिकारी स्वागत किया।कार्यक्रम के अंत में शिक्षामित्र संघ के जिला अध्यक्ष दुर्गेश मिश्रा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आभार प्रकट किया।इस अवसर पर सभी विकासखंड के खंड शिक्षा अधिकारी सभी जिला समन्वयक एवं एस आर जी अंबिकेश त्रिपाठी और मनीष रस्तोगी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन सदक ए हुसैन द्वारा किया गया।

बंगाल विजय पर भाजपाईयों ने अनूसूचित बस्तियों में किया मिष्ठान वितरण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बंगाल, असम व पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी को मिली सफलता के बाद पार्टी पदाधिकारियों ने अनूसूचित बस्तियों में संपर्क कर मिष्ठान वितरण किया और लोगों के साथ खुशी साझा की। इस दौरान महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव व ब्लाक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष एवं महानगर महामंत्री शिवेन्द्र सिंह की अगुवाई में अयोध्या विधानसभा क्षेत्र के पाठक का पुरवा, रसड़ा, अकवारा, मोहद्दिसनपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क किया।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं पर जनता की मुहर है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों ने समाज के हर वर्ग तक लाभ पहुंचाया है, जिससे जनता का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इसी तरह जनसेवा और संपर्क अभियान को निरंतर आगे बढ़ाते रहें। ब्लाक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष एवं महानगर महामंत्री शिवेन्द्र सिंह ने कहा कि पार्टी की यह सफलता संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक सशक्त संगठन और हर वर्ग तक पहुंचने की रणनीति ने भाजपा को यह ऐतिहासिक जीत दिलाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है।मौके पर जिला उपाध्यक्ष रामप्रीत वर्मा, मंडल अध्यक्ष कपिल देव वर्मा, अरविंद गुप्ता, देवता पटेल, प्रधान कृष्ण प्रताप, रमन लाल, राघवेंद्र पांडे, अनूप वर्मा, राजेश मौर्य सहित बडी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीएम मोदी– गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति और सुनील बंसल के क्रियान्वयन से हुई बंगाल विजय – वेद प्रकाश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक सफलता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल की दूरदर्शी रणनीति तथा सशक्त क्रियान्वयन का परिणाम बताया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जो विश्वास, विकास और सुशासन की धारा प्रवाहित हुई है।उसी ने बंगाल की जनता के मन में परिवर्तन की आकांक्षा को बल दिया।वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि गृह मंत्री की संगठन क्षमता और सूक्ष्म राजनीतिक समझ ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के रणनीतिकार सुनील बंसल ने जिस तरह जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत किया।वह अभूतपूर्व है।उन्होंने जिस कुशलता से मैन–टू–मैन मार्किंग की नीति को जमीन पर उतारा, वह एक जीवंत उदाहरण बन गया। प्रत्येक कार्यकर्ता को दिशा देना, हर बूथ को सशक्त करना और 'हर घर, हर मतदाता' तक पहुँचने की उनकी कार्ययोजना एक सुव्यवस्थित तंत्र के रूप में कार्य किया।उन्होंने कहा कि बंगाल, जिसे

लंबे समय तक अजेय माना जाता था, वहां भाजपा का परचम लहराना यह सिद्ध करता है कि जब नेतृत्व मजबूत हो,रणनीति स्पष्ट हो और कार्यकर्ता समर्पित हों, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। यह विजय केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं,बल्कि जन–जन के विश्वास की जीत है।नगर विधायक ने सभी कार्यकर्ताओं व बंगाल की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत राष्ट्रवाद, विकास और जनकल्याण की नीतियों पर जनता की मुहर है, जो आने वाले समय में देश की राजनीति की दिशा तय करेगी।

संक्षिप्त खबरें

दहेज उत्पीड़न के आरोप में पति–सास समेत पांच पर प्राथमिकी

भदोही, (संवाददाता)। स्थानीय पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर पति व सास समेत पांच लोगों पर दहेज उत्पीड़न के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि ससुरालीजन विवाहिता को आए दिन दहेज को लेकर प्रताड़ित करते हैं। यह आरोप भी है कि विवाहिता के पति ने बिना उसकी जानकारी के किसी दूसरी लड़की से शादी कर ली है। इसके लिए फर्जी दस्तावेज इत्यादि भी तैयार कराए गए हैं। ऊंज थाना क्षेत्र के साकिन रघुरामपुर निवासी पूजा ने बताया कि दो जून 2011 को आशीष उर्फ सोनू शुक्ला निवासी निदिउरा, साकिन के साथ हिंदू रीति–रिवाज से शादी की गई थी। उनके माता–पिता ने क्षमतानुसार उपहार आदि दिए। आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही चार पहिया वाहन की मांग की जा रही है। जिसे उनके माता–पिता ने देने में असमर्थता जताई। आरोप लगाया कि इसी बात को लेकर पति व सास सुनीता देवी, देवर सूरज शुक्ला व ननद जया शुक्ला अक्सर प्रताड़ित करते हैं। आरोप लगाया कि पति ने उनके गांव ही एक लड़की से दूसरी शादी कर ली है। सबूत छिपाने के लिए कागजात भी फर्जी बनाए गए हैं। प्रभारी निरीक्षक अरविंद चौहान ने बताया कि पति, सास, देवर व ननद समेत पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

वाहन के नाम पर रुपये लेकर नहीं दिए कागज, तीन पर प्राथमिकी

भदोही, (संवाददाता)। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, धमकाने और गाली देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि वाहन दिलाने के लिए रुपये लेने के बाद भी उसके कागज नहीं दिए। रुपये वापस मांगने पर मारपीट व धमकी दी गई। ज्ञानपुर नगर के पुरानी वार्ड निवासी दिलशाद ने बताया कि वे मोटर मैकेनिक का काम करते हैं। जहां उनसे औराई निवासी सुशील कुमार दूबे से पहचान हो गई। उन्हें एक चार पहिया की आवश्यकता थी। जिसको लेकर सुशील से चर्चा की। इस पर सेकेंड हैंड अच्छी कंडीशन का वाहन दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्होंने मोबाइल फोन से गयासपुर, जलालपुर अंबेडकरनगर निवासी वैभव सिंह से फोन पर बात कराई। जिस पर उन्होंने अपनी वाहन बेचने की बात कही। जिसका उन्होंने वीडियो बनाकर भेजा। गाड़ी की कीमत एक लाख 85 हजार तय की गई। इसके बाद पीड़ित ने तत्काल पांच हजार रुपये बतौर बयाना दिया। बाकी रुपये गाड़ी लेने व कागज इत्यादि तैयार करने के बाद देने की बात हुई। इस बीच वाहन के कागज देखे तो वह महमदपुर कपूरी, अंबेडकरनगर निवासी अनिल कुमार के नाम से थी। जिस पर वैभव सिंह ने नाम ट्रांसफर कराकर दो महीने में रजिस्ट्रेशन कागज देने का वादा किया।

डीसीएम ने खड़े लोडर में पीछे से मारी टक्कर, एक की मौत, 12 घायल

उन्नाव, (संवाददाता)। हरदोई– उन्नाव मार्ग पर एक होटल के पास खड़े लोडर में पीछे से डीसीएम अनियंत्रित होकर भिड़ गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि 12 लोग घायल हो गए। घटना से चीखपुकार मच गई। पुलिस में सभी को स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हरदोई जिले के थाना मल्लावां के लक्ष्मीपुर गांव निवासी लाला की बेटी का रविवार को तिलक समारोह था। उसी में शामिल होने के लिए गांव के करीब 20 लोग लोडर से सफीपुर क्षेत्र के ओसियां गांव गए थे। तिलक चढ़ाने के बाद रात में लौटते समय हरदोई–उन्नाव मार्ग पर बांगरमऊ क्षेत्र में स्लाइस आफ स्पाइस होटल के पास चालक ने लोडर रोक दिया। लोडर में बैठे लोग नीचे उतरे और चाय नाश्ता करने लगे। उसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार डीसीएम ने खड़े लोडर में टक्कर मार दी। इसमें लोडर के आसपास खड़े 13 लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र लाई। डॉक्टर ने लक्ष्मीपुर गांव निवासी विजय कुमार (25) पुत्र रामजी को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाल अखिलेशचंद्र पांडेय ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों का उपचार चल रहा है। घटना के बाद चालक गाड़ी छोड़कर भाग गया उसका पता लगाया जा रहा है। घायलों में गयाप्रसाद, रामकुमार, अनुराग, आशीष, राजू, अमित कुमार, शैलेश कुमार, दीपक कुमार, शैलेन्द्र, देशराज, आकाश व आशीष सभी निवासी लच्छीपुर शामिल हैं।

राष्ट्रीय जागरण में पत्रकारिता की अहम भूमिका

उन्नाव, (संवाददाता)। गढ़ाकोला स्थित पं. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला स्मृति भवन में नारद जन्मोत्सव पर पत्रकारिता और हमारा समाज विषय पर आयोजित गोष्ठी में कवियों, साहित्यकारों ने अपने विचार रखे। इसमें सभी ने एकस्वर से राष्ट्रीय जागरण में पत्रकारिता की अहम भूमिका बताई। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. पवनपुत्र बादल कहा कि नारदजी लोकहित और लोक कल्याण के लिए अपनी उर्जा लगाते थे लेकिन वर्तमान समय में उनके बारे में गलत धारणाएं परोसकर सनातन को विकृत करने का काम किया जा रहा है। अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कहा कि पत्रकारिता और हमारा समाज एक दूसरे के सहयोगी हैं। बछरावां डिग्री कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. रामनरेश ने कहा कि पत्रकारिता के प्रवर्तक देवर्षि नारद हैं।

रोटरी क्लब के शिविर में 150 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण

उन्नाव, (संवाददाता)। रोटरी क्लब व मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शहर के अलहूदा इंटर कॉलेज में रविवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के डॉक्टरों की दस सदस्यीय टीम ने मरीजों की बीपी, शुगर, ईसीजी, बीएमडी, नेत्र की जांच कर उन्हें परामर्श दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. हरिवंश राय बच्चन महाविद्यालय के प्रबंधक अजय सिंह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को साल में एक बार स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। क्लब के सचिव सौरभ कुमार श्रीवास्तव ने डाक्टरों की टीम व अलहूदा स्कूल के प्रबंधक डॉ. दाऊद का धन्यवाद दिया।

30 किमी की रफ्तार से चलीं हवाएं, कई इलाकों में बूंदाबांदी, उमस से राहत

भदोही, (संवाददाता)। जिले में रविवार को एक बार फिर मौसम का मिजाज बदला नजर आया। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सुबह से ही आसमान में बादल छाए दिखे। कई इलाकों में बूंदाबांदी का भी असर रहा। इसके अलावा हवाओं की रफ्तार भी आम दिनों की अपेक्षा तेज रही। 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। ज्ञानपुर, खमरिया, बाबूसराय क्षेत्रों में पांच से 10 मिनट तक बूंदाबांदी हुई। तेज हवा चलने के कारण अभोली के कुढ़वा, धानऊपुर मार्ग पर पीपल, नीम का पेड़ गिर गया। इससे घंटों आवागमन बाधित रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन में हवा की दिशा में बदलाव होने पर बूंदाबांदी की स्थिति बन सकती है। वहीं तापमान में अचानक बढ़ोतरी भी देखी जा सकती है। जिले में अप्रैल महीने के आखिरी और मई महीने के शुरुआती ।

नीट का पेपर सरल आने से खिले परीक्षार्थियों के चेहरे

उन्नाव, (संवाददाता)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा

(नीट–यूजी) जिले में शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और निष्पक्ष माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिले के चार परीक्षा केंद्रों पर कुल 1,208 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1,177 ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 31 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। छात्रों ने परीक्षा पत्र सरल आने की बात कही। नीट परीक्षा के लिए जिले में चार केंद्र बनाए गए थे, इसमें डीएसएन डिग्री कॉलेज, अटल बिहारी इंटर कॉलेज, पीएमश्री जीआईसी और दही चौकी स्थित केंद्रीय विद्यालय शामिल रहा। परीक्षा रविवार दोपहर दो से शाम पांच बजे तक हुई। अभ्यर्थियों को दो घंटे पहले से ही प्रवेश देना शुरू हो गया था। छात्रों को जूते उतरवाने के बाद ही कक्ष में प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों के आसपास 500 मीटर की दूरी में दुकानों को बंद रखा गया। केंद्र के अंदर छात्र घड़ी तक पहनकर नहीं जा सके। परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने जीजीआईसी, अटलबिहारी इंटर कॉलेज और केंद्रीय विद्यालय दही चौकी का निरीक्षण किया। अभ्यर्थियों के लिए पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था भी की गई थी। शाम को परीक्षा छूटने के बाद केंद्रीय विद्यालय परीक्षा केंद्र के बाहर जाम की स्थिति बन गई। हाईवे किनारे का स्कूल होने से परीक्षा के बाद थोड़ा परेशानी उठानी पड़ी। एडीएम सुशील कुमार गोंड ने बताया कि चार केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से निपट गई है। उत्तर पुस्तिकाएं भी कोषागार में जमा करा दी गई हैं। केंद्रीय विद्यालय परीक्षा केंद्र से परीक्षा देकर निकले सफीपुर के छात्र जीतेंद्र यादव ने बताया कि पेपर सरल आया था। इसलिए हल करने में कठिनाई नहीं हुई। सफलता मिलने की पूरी उम्मीद है। बरवट गांव की एकता ने बताया ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।